Social Science

चीन और पाकिस्तान के साथ भारत की सुरक्षा चिंताओं का एक राजनीतिक तुलनात्मक अध्ययन

अंजू आर्य
प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, श्री रामेश्वरदास अग्रवाल कन्या महाविद्यालय, हाथरस, उत्तर प्रदेश, भारत
Correspondence Author: अंजू आर्य

Received 1 Apr 2026; Accepted 12 May 2026; Published 29 May 2026
DOI: https://doi.org/10.64171/JSRD.5.S3.4-7

सारांश
राजनैतिक विश्लेष्कों के अनुसार चीन और पाकिस्तान दोनों ही राष्ट्र शुरू से ही भारत को अपना चिर विरोधी और प्रतिद्वन्दी राष्ट्र मानते रहे हैं, चाहे प्रश्न आर्थिक स्तर पर हो या सामाजिक। भारत अपनी स्वतंत्रता के बाद से समय–समय पर विशेष प्रयास करता रहा है कि दोनों ही राष्ट्रों से सम्बंध मधुर बने रहे लेकिन कभी सीमा विवाद तो कभी आतंकवाद जैसी समस्याऐं भारत के समक्ष हमेशा आती रही हैं कई बार चीन और पाकिस्तान भारत को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कमतर दिखाने के लिए एक साथ खड़े होते हुये भी नजर आये हैं। इन्हीं सब कारणों से भारत की सुरक्षा चिन्ताऐं इन दोनों ही राष्ट्रों के प्रति बढ़ जाती है।
भारत अपने पड़ौसी राष्ट्रों के साथ सामरिक, व्यापारिक, रणनीतिक और साझेदारी नीतियों में सॉफ्ट नीति व मैत्रीभाव को अपनाता है वहीं बात करे यदि चीन और पाकिस्तान की तो वह अपने पड़ौसी राष्ट्रों के साथ विरोधी नीति और हार्ड नीति अपनाते है। इस शोध पत्र के माध्यम से भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद, सैन्यीकरण और सामरिक समस्याओं का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। शोध पत्र में चीन–पाकिस्तान गठजोड से भारत की बढ़ती सुरक्षा चिन्ताओं का राजनैतिक विश्लेष्णात्मक अध्ययन किया गया है।

मूलशब्दः पेंटागन रिपोर्ट, सी गार्डियन, वॉरियर, POK, शाहीन

परिचय

भारत की सुरक्षा चिंताऐं चीन व पाकिस्तान के साथ जटिलताओं से भरी हुई है। जहॉ एक तरफ चीन के साथ सीमा विवाद और बढता सैन्य प्रभाव वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान के साथ सीमा विवाद के साथ–साथ सीमा पार आतंकवाद रणनीतिक चुनौतियों की समस्या है भारत की सुरक्षा चिंता तब और भी बढ़ जाती है जब दोनों हीं (चीन–पाकिस्तान) राष्ट्रों का झुकाव एक दूसरे के प्रति बढ़ जाता है। ईरान इजराइल युद्ध ने सभी को चौका दिया जहाँ इजराइल को अमेरिका का समर्थन प्राप्त था इस युद्ध में वही ईरान को चीन मदद कर रहा था इस युद्ध के माध्यम से चीन ने अपनी सैन्य क्षमता का अप्रत्यक्ष रूप से प्रदर्षन किया चीन को कभी अमेरिका और रूस के बाद तीसरी महाशक्ति कहा जाता था वहीं अब चीन इन दोनों ही राष्ट्रों से सैन्य प्रभाव व हथियार प्रणाली में आगे निकलता दिख रहा है। भारत के लिए यह भी एक सुरक्षा चिन्ता का विषय है।

शोध उद्देश्य

- भारत और चीन के मध्य सीमा विवाद का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- सीमा विवाद से उत्पन्न समस्याओं का भारत पर पड़ने वाले सुरक्षात्मक प्रभावों का अध्ययन करना।
- चीन और पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य नजदीकियों से भारत पर पड़ने वाले प्रभावों का राजनैतिक अध्ययन करना।
- चीन–पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों के जबाव में भारत की रणनीति का अध्ययन करना।

शोध पद्धति

प्रस्तुत शोध पत्र में द्वितीयक डेटा आधारित अनुसंधान पद्धति का प्रयोग किया गया है। प्रस्तुत शोध में ऐतिहासिक, वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक पद्धति का प्रयोग किया गया है। यह मुख्य रूप से गुणात्मक दृष्टिकोण पर आधारित है।

भारत की चीन के साथ सुरक्षा सम्बंधी चिन्ताऐं

भारत चीन सीमा विवाद का क्षेत्र लद्दाख की गलवान घाटी, डोकलाम नाथूला दर्रा से होता हुआ अरूणाचल प्रदेश के तवांग घाटी तक पहुॅच चुका है।

गलवान घाटी का विवाद

गलवान घाटी अक्साई चीन में स्थित है जो वर्तमान में लद्दाख प्रान्त में है। 1967 के बाद भारत और चीन के मध्य 2020 में गलवान घाटी में सबसे बड़ा हिंसक संघर्ष हुआ जिसमें भारतीय सेना के कर्नल संतोष बाबू सहित 20 भारतीय जवानों की शहादत हुई चीन के भी करीब 40 से अधिक सैनिक इस युद्ध में मारे गये।
इस युद्ध में 1966 के समझौते को ध्यान में रखा गया था और गोलियों का प्रयोग नहीं किया गया। चीनी सैनिकों द्वारा कटीले तारों से लिपटे डंडे, कील लगे हुये डंडे, पत्थर और लोहे की रोड का प्रयोग किया गया था आज इस विवाद को 5 वर्षो से भी अधिक हो गया है लेकिन विवाद आज भी बना हुआ है दोनों ही राष्ट्र एक दूसरे पर अपनी सीमाओं में अतिक्रमण का आरोप लगाते रहते हैं जिससे सम्बंधों में कटुता बनीं रहती है।

डोकलाम घाटी का विवादः डोकलाम एक पठार है जो भूटान के हा–घाटी, भारत के सिक्किम जिला और चीन के यदोंग काउंटी के मध्य में है यह एक तिराहा (ट्राई–जंक्षन) के आकार का है जहाँ भारत, चीन और भूटान की सीमायें आपस में मिलती हैं। डोकलाम को चीन और भूटान दोनों ही अपनी सीमा मानते हैं भारत का मानना है कि डोकलाम भूटान का क्षेत्र है।

चीन चूँकि शुरू से ही विस्तारवादी और साम्राज्यवादी विचार को मानने वाला राष्ट्र रहा है और इस विस्तारवादी सोच के कारण चीन का उसके प्रत्येक पड़ौसी राष्ट्र से सीमा विवाद बना रहा है। डोकलाम विवाद से भारत का प्रत्यक्ष रूप से चीन के साथ कोई विवाद नहीं है लेकिन चीन द्वारा इस क्षेत्र पर सड़क का निर्माण भूटान के लिए परेशानी की बात है और भारत व भूटान के बीच 1949 में एक समझौता हुआ था जिसके अनुसार भारत भूटान को रक्षा मामलों और विदेष नीति में मार्गदर्षन करता रहेगा भारत के लिए भी यह सड़क निर्माण एक चिन्ता का विषय है क्योंकि इसके बन जाने से चीन की सैन्य क्षमता और बढ़ जायेगी और चीन यदि इस क्षेत्र में अपने सैन्य बलों को तैनात कर देता है तो भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र शेष भारत से अलग होने का खतरा हमेषा बना रहेगा।

नाथूला दर्रा विवाद

यह दर्रा हिमालय की एक पहाड़ी में स्थित है जो भारत के सिक्किम राज्य और दक्षिण तिब्बत में चुम्बी घाटी को जोड़ता है। 1962 में भारत और चीन के बीच हुये युद्ध में इसे बंद कर दिया गया था यह 14200 फीट की विषाल ऊँचाई पर है। लगभग 4 दशकों बाद इसे जुलाई 2006 में पुनः व्यापार के लिए खोल दिया गया है। यह गंगटोक–याटुंग– ल्हासा कारोबारी मार्ग का महत्वपूर्ण हिस्सा है। चीनी और भारतीय सैनिक यहॉ पर करीब 30 मीटर की दूरी पर तैनात रहते हैं। भारत और चीन की 3,488 किलोमीटर लम्बी सीमा पर नाथूला में दोनों राष्ट्रों के सैन्य बल सबसे करीब होते हैं।
नाथूला दर्रे के उत्तरी तरफ चीन का नियंत्रण है और दक्षिण की तरफ भारत का नियंत्रण रहता है। डोकलाम यहॉ से 25 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है।

तवांग विवाद

तवांग अरूणाचल प्रदेष में स्थित है। सन् 1962 में जब भारत और चीन के मध्य युद्ध हुआ तो चीन ने इस क्षेत्र पर कब्जा करने की पूरी कोषिष की। कहते हैं कि तवांग के युद्ध के बारे में आज भी सुनें या पढ़ें तो रौंगटे खड़े हो जाते हैं इस युद्ध में भारत के करीव 800 जवान शहीद हुये और 1000 के लगभग चीन द्वारा बन्दी बना लिये गये।
यह वही स्थान है जहॉ तिब्बती धर्म गुरू दलाई लामा सबसे पहले पहॅुचे थे। अप्रैल 2017 में दलाई लामा जब पुनः वहॉ पहॅुचे तो चीन आग बबूला हो गया सन् 2020 में चीन की सेना ने दुवारा इस क्षेत्र में घुसने की कोशिश की जिसका मुॅहतोड जबाव भारतीय सेना द्वारा चीन को दिया गया 1961 से ही चीन अरूणाचल प्रदेश के इस क्षेत्र पर आक्रामक बना हुआ है उसे जब भी मौका मिलता है वह इस क्षेत्र पर नियंत्रण का प्रयास करता है जो कि भारत के लिये चिन्ता का विषय है।

चीन और पाकिस्तान के मध्य बढ़ती सैन्य नजदीकियाँ

अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन की 23 दिसम्बर 2025 को एक रिपोर्ट प्रकाषित हुई जिसमें चीन का पाकिस्तान के मध्य बढ़ते सैन्य सहयोग के साथ परमाणु हथियारों में तेजी से बढोत्तरी को लेकर भी जोर दिया गया साथ ही यह दावा भी किया गया कि चीन नई दिल्ली और वाषिंगटन की रणनीतिक साझेदारी के विस्तार पर अडंगा लगाने का प्रयास कर रहा है। पिछले कुछ समय से चीन और पाकिस्तान के मध्य बढती सैन्य नजदीकियों को निम्न प्रकार प्रदर्षित किया जा सकता है।

- **चीन और पाकिस्तान के मध्य हथियारों का संयुक्त उत्पादनः** चीन और पाकिस्तान कुछ हथियारों को मिलकर तैयार करते हैं जिन्हें ''मेक इन पाकिस्तान, डिजाइन इन चाइना'' के नाम से जाना जाता है जैसे– हंगोर पनडुब्बी, इसकी टैक्नोलॉजी चीन पाकिस्तान को देता है और इसका निर्माण कराची में होता है इसी प्रकार JF-17 भंडर, इसे भी दोनों मिलकर तैयार करते हैं JF-17 भंडर को पाकिस्तानी वायुसेना की रीढ कहा जाता है।
- **पाकिस्तान द्वारा चीन से सैन्य हथियारों की खरीदः** पिछले कुछ समय से पाकिस्तान द्वारा चीन से हथियारों की खरीद बढ़ी है SIPRI 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान वर्तमान में अपने कुल हथियारों का 80 प्रतिषत चीन से खरीदता है। जिसमें जे–10सी फाइटर जेट, ताइप 054 A/P फ्रिगेट HQ-16 एयर डिफेंस CM-302 सुपरसोनिक मिसाइल आदि सब वह चीन से आयात करता है।

चीन व पाकिस्तान के मध्य संयुक्त सैन्य अभ्यास

(1) चीन व पाकिस्तान के मध्य नौसेना अभ्यासः 'सी गार्डियन' नामक संयुक्त अभ्यास की शुरूआत चीन और पाकिस्तान के मध्य 2020 से हुई इसके बाद 11 नवम्बर से 17 नवम्बर को सात दिवसीय संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तरी अरब सागर में पूरा किया गया इस अभ्यास का उद्देष्य रक्षा सहयोग को बढ़ावा और प्रत्येक मौसम में काम आने वाली रणनीतिक सहकारी समझौतों को बढ़ाना है। उसके बाद 3 जनवरी 2024 में करॉची के पास दोनों सेनाओं के मध्य संयुक्त अभ्यास हुआ इन अभ्यासों में अरब सागर में एंटी–सबमरीन, एयर डिफेंस, एंटी षिप मिसाइल फाइरिंग, ताइप 054ए/पी फ्रिगेट और पनडुब्बी इन सभी का प्रयोग किया जाता है।

तलिका 1: चीन द्वारा पाकिस्तान को दिये प्रमुख नौसेना हथियार

हथियार	संख्या	डिलवरी वर्ष	महत्ता/विशेषता
हंगोर ए0आईपी0 पनडुब्बी	8	2026 से	ताइप 039B, 11 AIP पनडुब्बी हो जाऐंगी
ताइप 054A/P फ्रिगेट	4	2022 से 2023	पी एन एस तुगरिल, टीपू सुल्तान आदि सीएम–302 मिसाइल
F-22P फ्रिगेटAM	4	2009 से 2013	पहले की जेनरेषन, सी–802 मिसाइल
अजमल–क्लास मिसाइल बोट	4	2012–2017	C-802 A मिसाइल, तेज हमला

(2) चीन व पाकिस्तान के मध्य थल सेना अभ्यासः चीन व पाकिस्तान के मध्य थलेसना संयुक्त अभ्यास को ''वॉरियर'' नाम से जाना जाता है जिसकी शुरूआत 2004 से हुई इस अभ्यास का उद्देष्य पहाडी युद्ध, आतंकवाद रोधी और स्पेषल फोर्स ऑपरेषन होता है। ज्यादातर यह अभ्यास पी0ओ0के0 या गिलगिट–वाल्टिस्तान के पास किया जाता है। अभी हाल में 2023 में दोनों राष्ट्रों की सेनाओं ने यह अभ्यास किया।

तलिका 2ः चीन द्वारा पाकिस्तान को दिये प्रमुख थलसेना हथियार

हथियार	संख्या	वर्ष	महत्ता / विशेषता
VT–4 टैंक	300+	2020 से	थर्ड जेन, 125 एमएम गन टी–80यूडी रिप्लेस
SH-15 होवित्जर	200+	2022 से	155एमएम ट्रक माउंटेड रेंज 50 किमी0
HQ-7 SAM	दर्जनों	2015 से	कम दूरी एयर डिफेंस
LY-80 एयर डिफेंस	9 बैटरी	2017 से 2019	HQ-16 का एक्सपोर्ट वर्जन
A -100 MLRS	40+	2019 से	100 किमी0 रेंज रॉकेट आर्टिलरी

(3) चीन व पाकिस्तान के मध्य वायुसेना अभ्यासः इस संयुक्त अध्यास की शुरूआत चीन व पाकिस्तान के मध्य 2011 से हुई जिसे ''शाहीन'' नाम से जाना जाता है। अभी हाल में 2023 में दोनों सेनाओं के मध्य चीन के झिंजियांग प्रान्त में यह अभ्यास किया गया जिसमें पाक द्वारा जे0एफ0–7 और जे–10सी का प्रयोग किया गया और चीन द्वारा जे–16, जे–10सी का प्रयोग किया गया। इन अभ्यासों में फाइटर जेट,एयर डिफेंस और AWACS का संयुक्त युद्धाभ्यास होता है जिसमें ग्राउंड अटैक, इलैक्टॉनिक वॉरफेयर और डॉगफाइट का अभ्यास किया जाता है।

तलिका 3ः चीन द्वारा पाकिस्तान को दिये प्रमुख वायुसेना हथियार

हथियार	संख्या	वर्ष	महत्ता / विशेषता
जेएफ–17 थंडर	150+	2007 से जारी	चीन– पाक संयुक्त उत्पादन ब्लांक–3 में AESA
जे–10सी फाइटर	20	मई 2025 तक	4.5 जेन PL-15 मिसाइल रेंज 200 + किमी0
ZDK-03 AWACS	4	2011–2014	हवाई निगरानी विमान
HQ-16 एयर डिफेंस	6 + बैटरी	2017 से	रेंज 40 किमी0 मध्यम दूरी SAM
CM-400AKG मिसाइल	सैकड़ों	2018 से	हवा से सतह, कैरियर किलर

चीन–पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य नजदीकियों से भारत पर पड़ने वाले प्रभाव

चीन और पाकिस्तान, भारत के शुरू से ही पड़ोसी शत्रु राष्ट्र रहे हैं हमेषा से ही भारत के सकारात्मक व्यवहार को दोनों ही पडौसी राष्ट्रों ने भारत की कमजोरी समझा और उसका हिंसात्मक व नकारात्मक जवाव देते रहे हैं। चीन और पाकिस्तान भारत को एषिया में अपना सबसे बड़ा शत्रु समझते हैं। दोनों ही राष्ट्रों के यह समझने के अपने अलग–अलग कारण है लेकिन राजनीति में एक कहावत है कि किसी राष्ट्र के दो शत्रु आपस में मित्र बन जाते हैं।

पिछले कुछ समय से चीन और पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों ने भारत की चिन्तायें बढ़ा दी है। जिससे भारत के समक्ष कुछ चुनौतियॉ खड़ी हो सकती हैं।

जैसे–

1. **हिन्द महासागर और अरब सागर की समस्या**ः चीन पाकिस्तान को एआईपी तकनीक वाली हंगोर–क्लास पनडुब्बी 2026 के अन्त तक दे देगा। करीव 11 एआईपी पनडुब्बियॉ पाकिस्तान को प्राप्त होंगी जो वह हिन्द महासागर और अरब सागर में उतार देगा जो भारत के लिए चिन्ता का विषय है। जबकि चीन 2032 में भारत को यह एआईपी तकनीक वाली पनडुब्बी देगा।
2. **दो मोर्चो का खतरा**ः युद्ध की स्थिति में भारत को एक साथ चीन और पाकिस्तान से संघर्ष करना पड सकता है दोनों शत्रु राष्ट्रों की बढ़ती नजदीकी भारत को भविष्य में कभी भी युद्ध में घेरने की बन सकती है।
3. **पाकिस्तान की बढती सैन्य तकनीकी**ः चीन द्वारा पाकिस्तान की सभी थल सेना, वायु सेना, जल सेना आदि के लिए आधुनिक तकनीकी से लैंस सैन्य हथियारों को प्रदान किया गया हैं जिससे पाकिस्तान की तकनीकी क्षमता बड़ी है जो कि भारत के लिये एक बड़ी चिन्ता की बात है।
4. **दोनों राष्ट्रों के मध्य उच्च स्तरीय सैन्य कूटनीतिक सहयोग**ः पाक आर्मी चीफ जनरल मुनीर द्वारा जुलाई 2025 में चीन का दौरा किया गया और वहॉ के विदेश मंत्री से मुलाकात की। जिसमें चीन ने पाकिस्तान को हर तरह की मदद का भरोसा दिया। चीन द्वारा जनरल मुनीर को एससीओ समिट और चीन की विक्ट्री डे परेड में मुख्य अतिथि भी बनाया गया।
5. **चीन–पाकिस्तान आर्थिक कोरिडोर (सीपीइसी)**ः चीन और पाकिस्तान के मध्य एक प्रोजेक्ट है जिसमें चीन ने 2013 में षिनजियांग प्रान्त से पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट तक एक सड़क रेल प्रोजेक्ट शुरू किया है यह प्रोजेक्ट पीओके से गुजरता है जो भारत के लिये एक चिन्ता का विषय है।

चीन–पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों के जवाब में भारत की रणनीति–

- भारत को चाहिए कि वह कुछ सैन्य तकनीको में आत्मनिर्भर बने। जो सैन्य हथियार वह चीन से खरीदता है उसका निर्माण स्वयं करे और जब तक नहीं कर सकता किसी अन्य राष्ट्र से खरीदे जैसे रूस, फ्रान्स या अमेरिका।
- भारत द्वारा सीपीइसी का विरोध इस स्तर पर होना चाहिए कि किसी भी अन्य राष्ट्र द्वारा इसमें निवेष न किया जाये और अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर इसे भारत की संप्रभुता का खण्डन बता कर विरोध किया जाये।
- हिन्द महासागर में अपने को मजबूत करते हुए अन्य शक्तिषाली राष्ट्रों के साथ सैन्य अभ्यास और सैन्य समझौते किये जायें।
- भारत अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के साथ युद्ध अभ्यास करके हिंद प्रषांत में चीन को काउंटर करे।
- भारत अपने अन्य पड़ौसी राष्ट्रों जैसे बांग्लादेश, नेपाल, मालद्वीव, श्रीलंका, भूटान आदि के साथ इन्फ्रास्ट्रेक्चर पर प्रोजेक्ट बनाये।
- भारत की रणनीतित्र ताकत बढ़ाओ + मित्र बनाओ + शत्रुओं को घेरो, होनी चाहिए।

निष्कर्ष

चीन द्वारा पाकिस्तान को आर्थिक, सामरिक तकनीकी कूटनीति और रणनीति समर्थन देने के पीछे उद्देश्य स्वयं को मजबूत व विश्व पटल पर स्वयं को महाषक्ति दिखाना नहीं है न ही पाकिस्तान के साथ रिष्ते मजबूत करना है। बल्कि भारत को घेरना है जिससे भारत अपने पड़ोस में ही चुनौतियों और चिंताओं में उलझा रहे।

हाल की कुछ घटनाओं ने चीन और भारत के बीच संबंधों में तनाव पैदा हुआ है जिसमें भारत पर आतंकी हमला करने वाले मसूद अजहर का चीन द्वारा समर्थन किया जाना पाकिस्तान को सैन्य रूप से मजबूत करना आदि शामिल है।

चीन पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकियों बेसक भारत के लिये चिन्ता का विषय है लेकिन भारत ने भी स्वयं को मजबूती के साथ खड़ा किये हुए है। आज भारत केवल रक्षात्मक नहीं है बल्कि सीपीइसी का विरोध बालाकोट स्ट्राइक QUAD में मुख्य रोल दिखाता है। कि भारत ''डिटरेंस वाय पनिषमेंट'' वाली थ्योरी पर शिफ्ट हो गया है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. हरीषरण, सिन्हा हर्ष कुमार ''हिन्द प्रषांत क्षेत्र में भारतीय सामुद्रिक रणनीति'' राज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2019।
2. पाण्डेय रामसूरतम ''राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध'' प्रकाष बुक डिपो बरेली, 2022।
3. बीबीसी ''भारत–चीन संघर्ष : लद्दाख लडाई में 20 भारतीय सैनिक मारे गए, 2020!
4. द हिन्दू – जुलाई 2019
5. दैनिक भास्कर 5 दिसम्बर 2019
6. अलूने, डॉ0 ब्रह्मदीप, ''भारत के पडोसी देष, बेहरत कूटनीति की जरूरत'' राष्ट्रीय सहारा 02 अप्रैल, 2022।
7. गोल्डमैन, रसेल ''भारत चीन सीमा विवाद; एक संघर्ष की व्याख्या'' द न्यूमॉर्क टाइम्स, जून 2020।
8. ऑल द कॉस्ट हाउ पाकिस्तान एंड चाइना कंट्रोल द, नैरेटिवऑन द चाइना पाकिस्तान इकोनामिक कॉरिडोर, जून 2020।
9. https://www.drishtiias.com
10. https://www.khawledgeo.com.in
11. https://www.dhyeyaias.com